## PAPERS LAID ON THE TABLE

### PEPSU RULES OF EXECUTIVE BUSINESS (VALIDATION) ACT

**The Deputy Minister of Home Affairs (Shri Datar):** I beg to lay on the Table a copy of the Patiala and East Punjab States Union Rules of Executive Business (Validation) Act, 1954 (President's Act No. 6 of 1954), under sub-section (3) of section 3 of the Patiala and East Punjab States Union Legislature (Delegation of Powers) Act, 1953. [*Placed in the Library. See No.* S-82/54].

---

### SPECIAL MARRIAGE BILL

**The Minister of Law and Minority Affairs (Shri Biswas):** I beg to lay on the Table a copy of the Report of the Joint Committee on the Bill to provide a special form of marriage in certain cases, and for the registration of such and certain other marriages.

---

### GENERAN BUDGET—*contd.*

**Mr. Speaker:** The House will now continue the general discussion on the General Budget.

As the House will be sitting today till 7-30 p.m., the Private Members' Business will be taken up from 5-00 p.m. to 7-30 p.m. instead of from 4-30 p.m. to 7 p.m.

**श्री जांगड़े** (बिलासपुर—रक्षित,—अनुसूचित जातियां) : अध्यक्ष महोदय, कल मैं कह रहा था कि पांच वर्षों के बाद हमें यह देखने को मिल रहा है कि हमारी आर्थिक और उद्योगीकरण की व्यवस्था में बहुत फर्क हो रहा है । हमारे यहां के ३६ करोड़ लोगों में से ३५ करोड़ लोगों का इससे कोई विशेष फायदा नहीं हो रहा है । हमारे अनुभवी लोग अमरीका और रूस और चीन से हमारी तुलना करते हैं पर वह यह भूल जाते हैं कि अगर संसार का हर एक देश यंत्रीकरण की ओर झुक जावे और हर एक देश उद्योग की ओर झुक जावे तो संसार में कौन सा देश उनकी चीजों को खरीदने के लिये तैयार होगा और कैसे सारा सामान बाहर के देशों में वितरित हो सकेगा । आप देखें कि उत्तर अमरीका की जनसंख्या कितनी है । मैं समझता हूं कि अगर कोई भी देश उसके माल की खपत न करे तो भी उनके पास इतने खनिज पदार्थ हैं और जन संख्या इतनी कम है कि वह अपने पर निर्भर रह सकते हैं । अगर आप रूस और चीन की तुलना करें और उनकी संख्या को देखें तो आप पायेंगे कि यद्यपि चीन में जनसंख्या ज्यादा है, लेकिन चीन और रूस दोनों का साम्यवाद की तरफ झुकाव है और रूस के पास साइबेरिया का इतना बड़ा प्रदेश है कि उसका क्षेत्रफल हिन्दुस्तान से पांच गुना है और उसका उपयोग करके वह आत्म निर्भर हो सकता है । इस लिये हम हिन्दुस्तान के गृह-उद्योग की अमरीका और रूस और चीन से पूरे तौर पर तुलना नहीं कर सकते । मैं इस बात के पक्ष में हूं कि जो बड़े बड़े उद्योग हैं और जो खासकर डिफेंस से सम्बन्धित उद्योग हैं, या रेल और जो दूसरे बड़े बड़े उद्योग हैं उनको सरकार ले और उनका यंत्रीकरण हो । इन उद्योगों को इस प्रकार बढ़ाया जाय इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है । लेकिन जहां तक छोटे उद्योगों का प्रश्न है उनका विकेन्द्रीकरण होना नितान्त आवश्यक है । यह होगा तभी हम अपने देश के करोड़ों लोगों को काम दे सकेंगे । आज हमारे देश में एक आदमी के पास करोड़ों रुपये की पूंजी रहने दी जाती है जिससे वह जिस तरीके से चाहे दूसरे के लिये कठिनाई पैदा कर सकता है । आप देखिये कि जमींदारी उन्मूलन के बाद गांव में जो रुपये वाले हैं वह अपने रुपये और अनाज को न मालूम किस कोने में रखे हुये हैं और उसको दबाये बैठे हैं वे देहातियों को काम नहीं देते, बल्कि ताना